THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K. GADHVI); (a) to (c) 9095 Inspection Reports and 2,26,817 Inspection Reports pertaining to Cen tral (Civil) and State Government offices respectively were pending for more than 6 months as on 31-3-87 as against 6,816 and 1,45,529 Inspection Reports resptctively as on 31-3-86. These were outstanding for want of either the comments from the concer ned Central/State Governments De partments or for corrective action by these Departments. Instructions have been issued from.- time to time empha sising the importance of prompt settle ment of audit objections by the Ad ministrative authorities and for keep ing a close watch over the clearance of objections outstanding for over six months. No case of deliberate stalling of Report has been brought to the notice of this Ministry so far.

मसाला बोर्ड का गठन

1766. **श्री सन्तोष बं गड़ोदिया :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मसाला बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम तथा पते क्या हैं ;

(ख) वर्तमान मासाला बोर्ड का गठन कब हुआ था तथा इसका कार्यकाल कब समाप्त होने जा रहा है ; और

(ग) मसाला बोर्ड द्वारा मसालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) एक विवरण संलग्न है । (नीचे देखिये)

(ख) वर्तमान मसाला बोर्ड का गठन दिनांक 26-2-1987 को किया गया था । सदस्यों की कार्य अवधि तीन वर्ष है ।

(ग) मसाला बोर्ड इलायची के उत्पादन तथा उत्पादकता को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर रहा है जिनमें शामिल हैं :—पुनर्रोपण योजना, नर्सरी योजना, पौधा संरक्षण रसायनों की आपूर्ति, उपस्कर, भूमि, संरक्षण योजनाएं आदि । अन्य मसालों के विकास का उत्तरदायित्व कृषि मंत्रालय का है । तथापि मसाला बोर्ड काली मिर्च के लिए क्वालिटी रोपण सामग्री तथा अदरक और हल्दी आदि के लिए क्वालिटी बीज सामग्री उपलब्ध कराकर इन प्रयासों में सहायता दे रहा है ।

विवरण

मसाला बोर्ड के सदस्य

	अधिकारी	
1	श्री के० एम० चन्द्रशेखर, आई० ए० एस०	अध्यक्ष
2	श्री विजय छिब्बर, उप-सचिव	सदस्य
3	श्रीमती बी० घोष, निदेशक (वित्त) वाणिज्य मंत्रालय	सदस्य
4	डा० सी० के० जार्ज, संयुक्त आयुक्त, कृषि मंत्रालय	सदस्य
5	कृषि निदेशक, केरल राज्य, त्रिवेन्द्रम	सदस्य
6	कृषि निदेशक, आन्ध्र प्रदेश राज्य, हैदराबाद	सदस्य
7	कृषि निदेशक, तमिलनाडु, मद्रास	सदस्य

8. निदेशक, कोका, आर्कनेट तथा मसाला विकास निदेशालय, कालीकट . सदस्य
9. निदेशक, भारतीय सब्जेक्ट संस्थान, बम्बई . . . सदस्य
10. निदेशक, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर . सदस्य
11. निदेशक, केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोडे . सदस्य

संसद सदस्य

12. प्रो. पी. जे. कुरियन, लोकसभा सदस्य . . . . सदस्य
13. श्रीमती डी.के. तरादेवी, लोकसभा सदस्य . . . . सदस्य
14. श्री आर.टी. गोपालन, राज्य सभा सदस्य . . . सदस्य

गैर-सरकारी

15. श्री सी. हनुमैय्या, लक्ष्मीपुरम, गण्टूर । . . . सदस्य
16. श्री भारत मणि प्रधान,मणि प्रेस कलियगोंज, पश्चिमी बंगाल . सदस्य
17. श्री टी.के.एस. मनोहरन, मार्फत केरल इलयवो उपकर्ता यूनियन, तमिलनाडु कम्बम, जिल-मदुरई . . . . . सदस्य
18. श्री के. एस. सकरिया, प्लाट-अम्कुम गार्डेन्स, मुण्डक्कयाल . सदस्य
19. श्री डी. एम. पुट्टगोरडे, डा० मकोनाहाली, तालुक-मुडिगोरे, जिला-चिकमगलूर . . . . . सदस्य
20. श्री सी. सदगिर मुदलियार, 106, बालाफरकाइल स्ट्रीट, कम्बम, मदुरई सदस्य
21. श्री एम. सी. पोवेर, तम मेलिल मलाबार एस्टेट, बोच रोड, कालीकट सदस्य
22. श्री अजीत थामस निदेशक, मैसर्स ए. वी. थामस ऐंड कं., मद्रास . सदस्य
23. श्री रश्मि जी. भिमियामी, मैसर्स आर.टी. कारपोरेशन, 375, नारसी नाथ स्टेट, बम्बई . . . . . सदस्य
24. श्री जे. ए. कबीर, मैसर्स एम.एम. नैना ऐंड कं. 99, लिन्धो चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास . . . . . सदस्य
25. श्री जे. वी. मैरोवाला, मैसर्स कन्जी मोरारजी कुन्मर हाउस, बम्बई . सदस्य
26. अध्यक्ष, केरल स्टेट कारपोरेशन, मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड, एर्णाकुलम, कोचीन . . . . . सदस्य
27. श्री मूल जी ठक्कर, मैसर्स एम.जे. एक्सपोर्टस (पी) लिमिटेड 113, जौली मेकर चैम्बर्स न. 2 नरीमन प्वाइंट, बम्बई . . . सदस्य
28. श्री एन. एस. आर. मन्ड्राडियर, मैसर्स पी. मिटटूवाल लाल ऐंड संस 54, नेल्सन मानिक मुडलियार रोड, मद्रास . . . सदस्य
29. श्री सी. बी. जैकब, मैसर्स सिन्थाइट इण्डस्ट्रियल कैमिकल्स (प्रा.) लि. सिन्थाइट वैली, पो. आ. कडयिरुप्पा कोलेन्करी . . . सदस्य

30. श्री ए.डी.जे. पाण्डियन एस्टेट (प्रा.) लि. प्रमल, बी. पी. रथिनस्वामी नादार रोड, मदुराई, तमिलनाडु . . . . सदस्य

31. श्री आर. हनुमन्तराव हिस्सेदार, मैसर्स जयलक्ष्मी एक्सपोर्टस, डोर नं. 6472 बाजार रोड, कोचीन, ... सदस्य

32. श्री वी.के. जार्ज, अध्यक्ष, आई. एन. टी. यू. सी. केरल स्टेट, करिमट्टम डा.डवन्ना पी मेट्टू जिला-इडुक्की । . . . . सदस्य

दिल्ली की ऊंची इमारतों में आग

1767. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली की कितनी ऊंची इमारतो में आग लगी तथा प्रत्येक का नाम और ब्यौरा क्या है ;

(ख) उपरोक्त में से प्रत्येक आग की घटना में कितने व्यक्तियों की मत्यु हुई या कितने व्यक्ति घायल हुए ; और

(ग) उन ऊंची इमारतों के मालिकों के खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही कर रही है जिनका डिजाइन/नक्शा दोषपूण है तथा जिन्होंने उनमें आग बुझाने के उपयुक्त प्रबन्ध नहीं किये थे ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) 1985-86 से 1987-88 तक दिल्ली में ऊंची इमारतों में आग लगने की 297 घटनाएं हुई थी जिसके बारे में वर्षवार विवरण संलग्न है । [देखिए परिशिष्ट CXLVII, अनुपत्र स. 73]

(ख) मत्यु हुई--40 व्यक्ति घायल हुए---141 व्यक्ति

(ग) ऊंची इमारतों के मालिकों/ दखलदारों को छः महीने की अवधि में आवश्यक अग्नि सुरक्षा अपेक्षाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए थे । नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद नोटिसों के अनुपालन का पता लगाने की दृष्टि से नया सर्वेक्षण किया गया । मुख्य अग्नि सुरक्षा अधिकारी ने भवन मालिकों को 30 दिन के अन्दर अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए नए नोटिस जारी किए हैं ।

हिन्दी कार्यशालाएं

1768. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार के प्रत्येक मत्रालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षण देने के लिए कितनी कार्यशालाएं आयोजित की गई ;

(ख) प्रत्येक मंत्रालय में कितने-कितने अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इन कार्यशालाओं में भाग लिया,; और

(ग) इस प्रकार की कार्यशालाओं से प्राप्त परिणामों का विवरण क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) और (ख) संबंधित सूचना संलग्न विवरण में है । (नीचे देखिए) :

(ग) विभिन्न मत्रालयों/विभागों में हिन्दी में कार्यसाधक अथवा उससे उच्चतर ज्ञान प्राप्त अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालयीन हिन्दी में अपेक्षित ज्ञान दिया जाता है और प्रशासनिक-कार्य के लिए हिन्दी लिखने का अभ्यास कराया जाता है । इससे उनके हिन्दी में प्रशासनिक काम करने का आत्मविश्वास उत्पन्न होता है और फलस्वरूप सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग में उत्तरोत्तर वद्धि हुई है ।